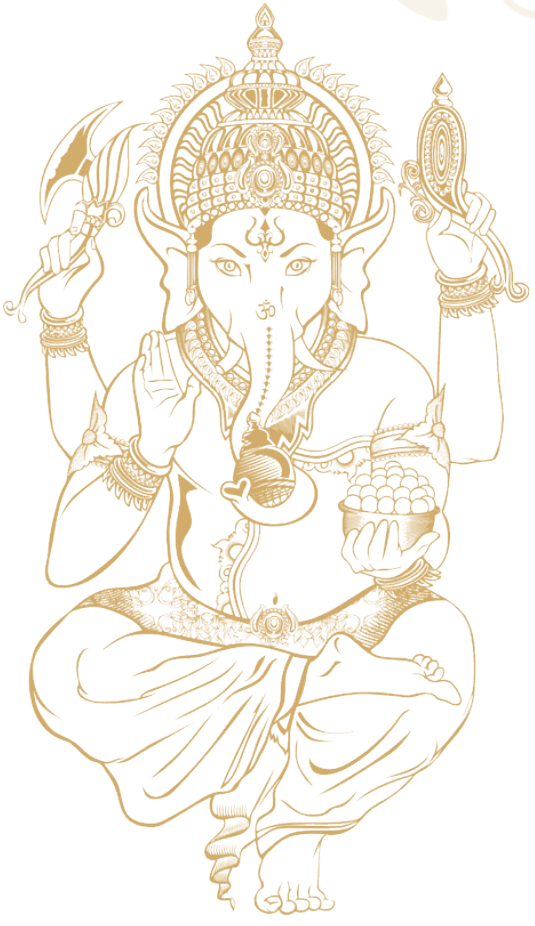

Mr. shubham

25 Apr 2006

11:30 AM

Azamgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120923004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/04/2006**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	15:10:45 घटी
स्थान	**Azamgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	83:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:32:40 घंटे
वेलान्तर	00:01:59 घंटे
साम्पातिक काल	01:45:08 घंटे
सूर्योदय	05:25:41 घंटे
सूर्यास्त	18:25:27 घंटे
दिनमान	12:59:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:57:18 मेष
लग्न के अंश	09:52:36 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वैधृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:52:36	311:01:57	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मेष	10:57:18	00:58:27	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			मीन	05:56:03	14:39:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	12:33:44	00:35:03	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
बुध			मीन	18:37:57	01:34:27	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	नीच राशि
गुरु	व		तुला	21:13:51	00:07:25	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	26:52:28	01:06:47	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			कर्क	10:46:51	00:02:07	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु			मीन	10:11:28	00:00:21	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु			कन्या	10:11:28	00:00:21	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	19:36:24	00:02:26	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
नेप			मक	25:40:08	00:00:53	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	02:37:31	00:00:48	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	04:20:55	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:41

लग्न-चलित

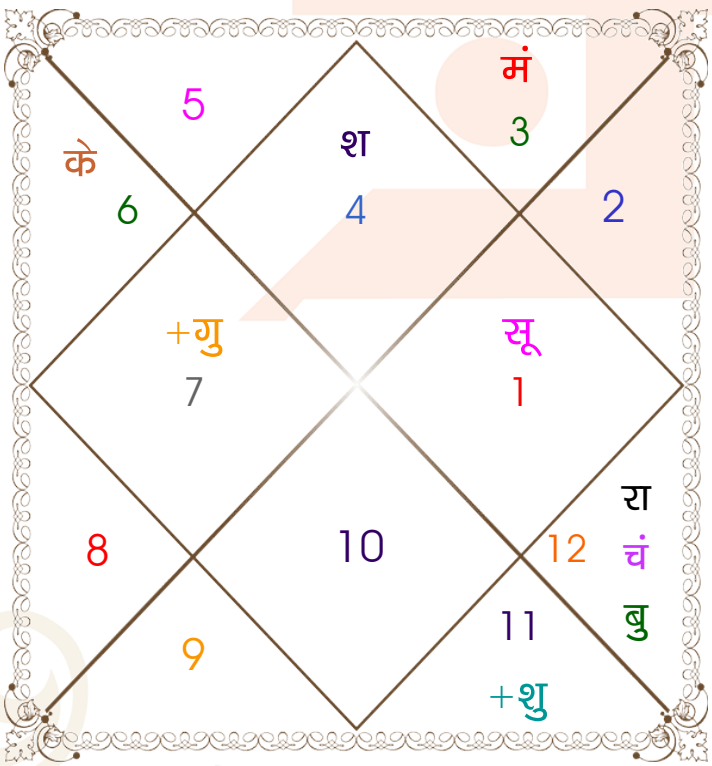

चन्द्र कुंडली

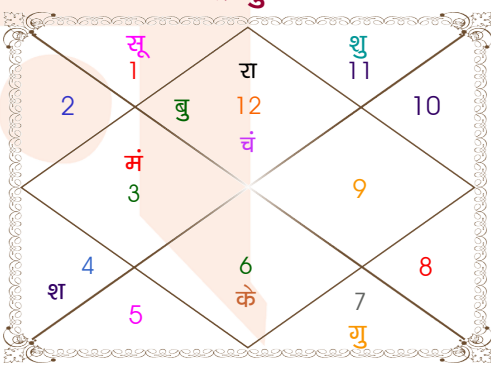

नवमांश कुंडली

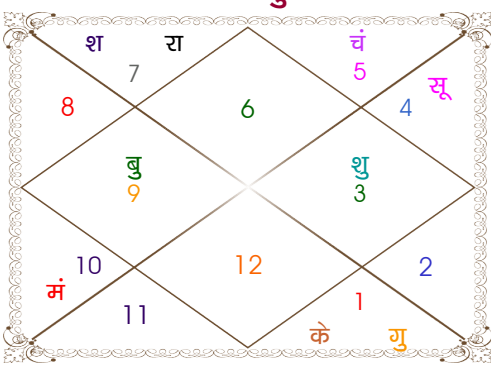

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 15 वर्ष 3 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/04/2006		10/08/2021		10/08/2038		10/08/2045		10/08/2065	
10/08/2021		10/08/2038		10/08/2045		10/08/2065		11/08/2071	
	25/04/2006	बुध	07/01/2024	केतु	06/01/2039	शुक्र	10/12/2048	सूर्य	28/11/2065
बुध	22/04/2008	केतु	03/01/2025	शुक्र	08/03/2040	सूर्य	10/12/2049	चंद्र	29/05/2066
केतु	01/06/2009	शुक्र	04/11/2027	सूर्य	13/07/2040	चंद्र	11/08/2051	मंगल	04/10/2066
शुक्र	01/08/2012	सूर्य	09/09/2028	चंद्र	11/02/2041	मंगल	10/10/2052	राहु	29/08/2067
सूर्य	14/07/2013	चंद्र	09/02/2030	मंगल	11/07/2041	राहु	10/10/2055	गुरु	16/06/2068
चंद्र	12/02/2015	मंगल	06/02/2031	राहु	29/07/2042	गुरु	10/06/2058	शनि	29/05/2069
मंगल	23/03/2016	राहु	25/08/2033	गुरु	05/07/2043	शनि	10/08/2061	बुध	04/04/2070
राहु	28/01/2019	गुरु	01/12/2035	शनि	13/08/2044	बुध	10/06/2064	केतु	10/08/2070
गुरु	10/08/2021	शनि	10/08/2038	बुध	10/08/2045	केतु	10/08/2065	शुक्र	11/08/2071

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
11/08/2071		10/08/2081		10/08/2088		11/08/2106		11/08/2122	
10/08/2081		10/08/2088		11/08/2106		11/08/2122		00/00/0000	
चंद्र	10/06/2072	मंगल	06/01/2082	राहु	23/04/2091	गुरु	28/09/2108	शनि	14/08/2125
मंगल	09/01/2073	राहु	25/01/2083	गुरु	16/09/2093	शनि	12/04/2111	बुध	26/04/2126
राहु	11/07/2074	गुरु	01/01/2084	शनि	23/07/2096	बुध	18/07/2113		00/00/0000
गुरु	10/11/2075	शनि	08/02/2085	बुध	09/02/2099	केतु	24/06/2114		00/00/0000
शनि	10/06/2077	बुध	06/02/2086	केतु	27/02/2100	शुक्र	22/02/2117		00/00/0000
बुध	10/11/2078	केतु	05/07/2086	शुक्र	28/02/2103	सूर्य	11/12/2117		00/00/0000
केतु	11/06/2079	शुक्र	04/09/2087	सूर्य	23/01/2104	चंद्र	12/04/2119		00/00/0000
शुक्र	08/02/2081	सूर्य	10/01/2088	चंद्र	24/07/2105	मंगल	18/03/2120		00/00/0000
सूर्य	10/08/2081	चंद्र	10/08/2088	मंगल	11/08/2106	राहु	11/08/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 15 वर्ष 3 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।